RBSE

RAJASTHAN BOARD OF SECONDARY EDUCATION

2023

CLASS XII

Questions & Solutions

Date: 24 March 2023 | TIME : (08:30 a.m. to 11:45 a.m)

Duration: 3 hours 15 Minutes | Max. Marks: 80

SUBJECT: HINDI (COMP.)

Resonance Eduventures Ltd.

Reg. Office & Corp. Office : CG Tower, A-46 & 52, IPIA, Near City Mall, Jhalawar Road, Kota (Raj.) - 324005

Ph. No.: +91-744-2777777, 2777700 | **FAX No. :** +91-022-39167222

To Know more : sms **RESO** at **56677** | **Website :** www.resonance.ac.in | **E-mail :** contact@resonance.ac.in | **CIN :** U80302RJ2007PLC024029

Toll Free : 1800 258 5555 | 7340010333 | facebook.com/ResonanceEdu | twitter.com/ResonanceEdu | www.youtube.com/resowatch | blog.resonance.ac.in

This solution was download from Resonance Solution portal

SS-01-Hindi (C)

Roll No. | | | | | | | |

उच्च माध्यमिक परीक्षा 2023

SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2023

हिन्दी (अनिवार्य)

Time Allowed : 3 hours 15 Minutes **Maximum Marks : 80**

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश–

(1) परीक्षा सर्वप्रथम अपने–पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।

(2) सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य है।

(3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका में ही लिखें।

(4) जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।

(5) प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व का क्रमांक अवश्य लिखें।

Resonance Eduventures Ltd.
Reg. Office & Corp. Office : CG Tower, A-46 & 52, IPIA, Near City Mall, Jhalawar Road, Kota (Raj.) - 324005
Ph. No.: +91-744-2777777, 2777700 | FAX No. : +91-022-39167222
To Know more : sms RESO at 56677 | Website : www.resonance.ac.in | E-mail : contact@resonance.ac.in | CIN : U80302RJ2007PLC024029
Toll Free : 1800 258 5555 | 7340010333 | facebook.com/ResonanceEdu | twitter.com/ResonanceEdu | www.youtube.com/resowatch | blog.resonance.ac.in
This solution was download from Resonance RBSE 2022 Solution portal

खण्ड–अ

प्र. 1) बहुविकल्पी प्रश्न –

निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए –

आम यहाँ का विशेष मेवा है । इसमें रस भरा रहता है और इसका बौर बसन्त का अग्रदूत है । हमारे यहाँ अश्वत्थ (पीपल) को भी विशेष महत्ता दी गई है । श्रीमद्‌भगवद्‌गीता में भगवान की विभूतियों में अश्वत्थ को भी माना गया है 'अश्वत्थ: सर्व वृक्षाणाम्।' भारतीय संस्कृति में जिन–जिन वस्तुओं को महत्ता दी गई है वे सब श्रीमद्‌भगवद्‌गीता में भगवान की विभूतियों के रूप में आ गई हैं। भगवान बुद्ध को भी अश्वत्थ वृक्ष के ही नीचे बुद्धत्व प्राप्त हुआ था । स्थावर वस्तुओं में हिमालय को, सरिताओं में गंगा को, पक्षियों में गरुड़ को तथा ऋतुओं में बसन्त ऋतु को महत्ता दी गई है। स्त्रीलिंग चीजों में कीर्ति, वाणी, स्मृति, बुद्धि और धृति (धैर्य) को महत्ता दी गई है। यह भी हमारी जातीय मनोवृत्ति का परिचायक है ।

(i) भगवान बुद्ध को बुद्धत्व जिसे वृक्ष के नीचे प्राप्त हुआ था **[1]**

(अ) आम (ब) अश्वत्थ (स) कर्णिकार (द) अमलतास

उत्तर– (ब) अश्वत्थ

(ii) बसन्त का अग्रदूत किसे कहा गया है ? **[1]**

(अ) आम का बौर (ब) अश्वत्थ का बौर (स) कर्णिकार का बौर (द) अमलतास का बौर

उत्तर– (अ) आम का बीर

(iii) श्रीमद्‌भगवद्‌गीता में भगवान की विभूतियों में माना गया है – **[1]**

(अ) वाणी को । (ब) भगवान बुद्ध को (स) भारतीय संस्कृति को (द) अश्वत्थ को ।

उत्तर– (द) अश्वत्थ को ।

(iv) निम्नलिखित में से 'नदी' का पर्यायवाची है – **[1]**

(अ) लहर (ब) सरिता (स) वीचि (द) तरंग

उत्तर– (ब) सरिता

(v) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है – **[1]**

अ) जातीय परिस्थिति (ब) हिमालय का महत्व (स) भारतीय संस्कृति (द) भाषा की उपयोगिता

उत्तर– (स) भारतीय संस्कृति

(vi) 'जंगम' शब्द का विपरीतार्थ है – **[1]**

(अ) स्थावर (स) स्मृति (ब) गीता (द) धृति

उत्तर– (अ) स्थावर

निम्नलिखित अपठित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए –

भू–लोक का गौरव, प्रकृति का पुण्य लीला स्थल कहाँ?
फैला मनोहर गिरि हिमालय और गंगाजल जहाँ ॥
सम्पूर्ण देशों से अधिक किस देश का उत्कर्ष है ?
उसका कि जो ऋषिभूमि है, वह कौन ? भारतवर्ष है ॥
हाँ, वृद्ध भारतवर्ष ही संसार का सिरमौर है,
ऐसा पुरातन देश कोई विश्व में क्या और है ?
भगवान की भव–भूतियों का यह प्रथम भण्डार है ।
विधि ने किया नर– सृष्टि का पहले यहीं विस्तार है

(vii) कवि ने 'भू–लोक का गौरव' किसे बताया है ? **[1]**
(अ) गंगा–जल को (ब) विश्व को
(स) भारतवर्ष को (द) प्रकृति को
उत्तर– (स) भारतवर्ष को

(viii) निम्न में से 'नर – सृष्टि का सर्वप्रथम विस्तार किया है – **[1]**
(अ) संसार ने (ब) विधि ने
(स) मनोहर गिरि ने (द) भवभूति ने
उत्तर– (ब) विधि ने

(ix) 'नूतन' शब्द का विलोम है। **[1]**
(अ) वरदान (ब) अभिशाप
(स) विस्तार (द) पुरातन
उत्तर– (द) पुरातन

(x) निम्न में से भारत की श्रेष्ठता परिलक्षित होती है– **[1]**
(अ) विफल गर्व (ब) ऋषिभूमि और भवभूति भण्डार ।
(स) सहृदय चिंतक (द) सुसज्जित क्षण
उत्तर– (ब) ऋषिभूमि और भवभूति भण्डार ।

(xi) उपर्युक्त पद्यांश का उपयुक्त शीर्षक नीचे लिखे विकल्पों से छाँटिए – **[1]**
(अ) भारत की श्रेष्ठता । (ब) मनुज का मन ।
(स) भावी सजग । (द) अग्नि समर ।
उत्तर– (अ) भारत की श्रेष्ठता ।

(xii) 'वृद्ध भारतवर्ष ही संसार का सिरमौर है।'इस पंक्ति का सही आशय है – **[1]**
(अ) भारतभूमि संसार के सम्पूर्ण देशों में सर्वश्रेष्ठ है ।
(ब) जगत कल्याण में आदर्श
(स) बालोपयोगी साहित्य का सृजन
(द) विकृत परम्पराओं का खण्डन
उत्तर– (अ) भारतभूमि संसार के सम्पूर्ण देशों में सर्वश्रेष्ठ है।

प्र. 2) निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

(i) हिन्दी व्याकरण को मोटे तौर पर.............. वर्गों में विभाजित किया गया है । [1]

(ii) भाषा को शुद्ध लिखने व बोलने संबंधी जानकारी देने वाले शास्त्र को ....कहते है । [1]

(iii) "लक्षित पुस्तक पढ़ रहा है। "वाक्य में .... शब्द शक्ति है । [1]

(iv) जब किसी शब्द के मुख्यार्थ में बाधा हो या अभिधा से अभीष्ट अर्थ का बोध न हो, वहाँ.............. शब्द शक्ति होती है । [1]

(v) जब कोई शब्द अपने एक से अधिक अर्थ प्रकट करे तो उस शब्द के कारण वहाँ .... अलंकार होता है । [1]

(vi) "कनक कनक ते सौ गुनी, मादकता अधिकाय।" काव्य पंक्ति में प्रयुक्त.............. अलंकार है। [1]

उत्तर– (i) चार वर्गो (ध्वनि, वर्ण, शब्द विचार, विचार वाक्य)

(ii) व्याकरण शास्त्र

(iii) अभिलाषा शब्द शक्ति

(iv) लक्षणा शब्द शक्ति

(v) श्लेष अलंकार

(vi) यमक अलंकार

प्र. 3) निम्नलिखित अतिलघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर एक पंक्ति में दीजिए –

(i) निम्न पारिभाषिक शब्दों के अर्थ लिखिए – [1]

(A) Premises (B) Quarterly

उत्तर– (A) परिसर (B) त्रैमासिक

(ii) 'अनुभाग' शब्द के लिए पारिभाषिक शब्द लिखिए । [1]

उत्तर– SECTION

(iii) प्रमुख जनसंचार माध्यमों के नाम लिखिए । [1]

उत्तर– आकाशवाणी, दूरदर्शन, फिल्में, समाचार पत्र, इंटरनेट

(iv) "अरे ये वैडिंग एनिवर्सरी वगैरह सब गोरे साहबों के चोंचले हैं" यह शब्द किसने कहे ? [1]

उत्तर– यशोधर बाबू

(v) लेखक सौंदलगेकर मास्टर के किस प्रकार नजदीक पहुँच गया ? **[1]**

उत्तर– वे उसे छन्द, अलंकार, शुद्ध लेखन, लय का ज्ञान कराते। वे उसे पुस्तके व कविता के अनेक ढेर सिखाए । जिससे लेखक को मास्टर जी की निकटता मिली ।

(vi) कौनसे दो शहर दुनिया के पुराने नियोजित शहर माने जाते है ? **[1]**

उत्तर– हड़प्पा व मोहन जोदड़ो

(vii) मुअनजो–दड़ो की खुदाई अब क्यों बंद कर दी गई है ? **[1]**

उत्तर– सिंधु के पानी के रिसाव से क्षार और दलदल की समस्या के कारण मुअनजोदड़ो की खुदाई बंद कर दी गई।

(viii) 'मौत के खिलाफ मनुष्य' नाम की किताब में लेखक ने क्या पढ़ा था ? **[1]**

उत्तर– महिलाएँ प्रसव पीड़ा में सिर्फ अपनी सुन्दरता को समाप्त नहीं करती बल्कि अपने जीवन का भी जोखिम उठाती है।

(ix) औरतों की आँखे किन–किन ताकतों ने खोली है ? **[1]**

उत्तर– हजारों स्त्रियों ने पुरूषों के जुलुस मे भाग लिया था। आजादी की सालगिरह मनाने के लिए बिना किसी से डरे हजारों स्त्रियों ने प्रदर्शन किया था।

(x) 'निशा निमंत्रण' के गीत में कवि ने किस काव्यात्मक चित्रण की कोशिश की है ?

उत्तर– 'दिन जल्दी–जल्दी ढलता है" पंक्ति की आवृत्ति गीत की 'टेक' है, इससे कविता की गेयता तथा श्रुति–मधुरता की विशेषता व्यक्त हुई है। कविता में इस आवृत्ति से यह व्यंजित हुआ है कि जीवन का समय कम है और काम बहुत मनुष्य को लक्ष्य प्राप्त करने में जल्दी करनी चाहिए। कविता के आस–पास– ळें कैसे पैदा किया जा सकता है?

(xi) महादेवी के प्रति अनमोल आत्मीयता से युक्त भक्तिन के बहाने क्या संदेश दिया गया है ?

उत्तर– भक्तिन उनके अवगुणों के होते हुए भी महादेवी के लिए अनमोल थी क्योंकि वह लेखिका के हर कष्ट को लेने को तैयार थी। वह लेखिका की सेवा करती थी। लेखिका के पास पैसे की कमी की बात सुनकर वह जीवन भर की अपनी कमाई उसे देना चाहती थी।

खण्ड–ब

निम्नलिखित लघुत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 40 शब्दों में दीजिए –

प्र. 4) मुद्रित माध्यमों में लेखन हेतु किन–किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ?

उत्तर – मुद्रित माध्यमों में लेखन के लिए निम्न बातो का ध्यान रखना चाहिए।

(i) लिखे हुए शब्द स्थाई होते है।

(ii) उसका अध्ययन , चिन्तन – मनन किया जा सकता है।

(iii) उसका

प्र. 5) वर्तमान इंटरनेट पत्रकारिता के बारे में संक्षेप में लिखिए ।

उत्तर– इन्टरनेट पर अखबारों का प्रकाशन अथवा खबरों का आदान–प्रदान करना, लेखों, चर्चा–परिचर्चा, वहसों, फीचर, झलकियों, डायरियों द्वारा अपने समय की धड़कनों को अनुभव और दर्ज करने को इन्टरनेट पत्रकारिता कहते हैं।

इन्टरनेट के दो प्रमुख लाभ–

(1) इसमें खबरों का सम्प्रेषण किया जाता है।

(2) समाचारों के संकलन, उनके सत्यापन और पुष्टिकरण के लिए इन्टरनेट का प्रयोग किया जाता है।

प्र. 6) 'फीचर लेखन' के बारे में लिखिए ।

उत्तर – फीचर, झलकियों, डायरियों द्वारा अपने समय की धड़कनों को अनुभव और दर्ज करने को इन्टरनेट पत्रकारिता कहते हैं। फीचर क्या है इस सम्बन्ध में कुछ विद्वान् श्मनोरंजक ढंग से लिखे गये प्रासंगिक लेखश को फीचर मानते – हैं तथा कुछ इसे शविविध क्षेत्र की हलचलों का शब्द–चित्रश बतलाते हैं। वस्तुतः फीचर सामाजिक घटनाओं के पूर्वापर सम्बन्धों एवं सम्भावनाओं की रोचक व्याख्या या कलात्मक प्रस्तुतीकरण होता है।

फीचर एवं समाचार में पर्याप्त अन्तर होता है। इनमें तीन अन्तर ये हैं–

(1) फीचर लेखन और समाचार–लेखन की शैली भिन्न होती है।

(2) फीचर लेखन में निजी ष्टिकोण रहता है जबकि समाचार लेखन में वस्तुनिष्ठता रहती है।

(3) फीचर अतीत वर्तमान की किसी घटना पर लिखा जाता है जबकि समाचार समकालीन या तात्कालिक घटना पर आश्रित होता है। फीचर लेखन का विषय कुछ भी हो सकता है, परन्तु समाचार लेखन में विषय नियत रहता है।

प्र. 7) 'पतंग' कविता में किन–किन बिम्बों को चित्रित किया है?

उत्तर– इस कविता में सुंदर बिम्बों के माध्यम से बच्चों की बाल–सुलभ चेष्टाओं का प्रभावी चित्रण हुआ है। काव्य में बिम्ब वह मानसिक चित्र है जो कल्पना द्वारा अनुभूत किया जाता है। यह इन्द्रियों पर आधारित होता है जिनकी सहायता से हम काव्य के मूर्त रूप की अनुभूति करते हैं। कविता में व्यक्त बिंब सौंदर्य निम्न है शरद ऋतु की सुबह की तुलना खरगोश की लाल–भूरी आंखों से की गई है। शरद ऋतु को उत्साही बालक के समान बताया गया है। तितलियों की नाजुक दुनिया का बिम्ब पतंगों की रंग–बिरंगी कोमल दुनिया से बाँधा गया है। श्पतंगश कविता में बिंबों की रंगीन दुनिया चारों तरफ व्याप्त है, यह एक ऐसी दुनिया है जहाँ शरद ऋतु का चमकीला इशारा है, दिशाओं में मृदंग बजते हैं। पतंग डोर के सहारे तथा बच्चे अपने रंध्रों के सहारे उड़ रहे हैं। बच्चों के भागते कदम डाल के लचीले वेग के समान हैं। इस तरह श्य, चाक्षुष, स्थिर, गतिशील और श्रव्य विम्ब प्रस्तुत हुए हैं।

प्र. 8) 'बात सीधी थी पर' कविता का मूल भाव लिखिए ।

उत्तर– कविता में भाषा की सहजता सरलता पर ध्यान देना चाहिए। सीधी–सी बात को तोड़–मरोड़ कर कहने से उसका सौन्दर्य व अर्थ नष्ट हो जाता है। वह सही ढंग से अभिव्यक्त नहीं हो पाती है, उसमें जटिलता आ जाती है।

प्र. 9) मनुष्य को कौन – कौन से दुर्गुण घायल कर बेकार बना देते हैं?

उत्तर– कोई अपने को न जाने तो बाजार का यह चौक उसे कामना से विकल बना छोड़े। विकल क्यों, पागल। असंतोष, तृष्णा और ईर्ष्या से घायल कर मनुष्य को सदा के लिए यह बेकार बना डाल सकता है।

प्र.10) 'काले मेघा पानी दे में लोक प्रचलित विश्वास और विज्ञान का द्वन्द्व चित्रण अपने शब्दों में लिखिए ।

उत्तर– 'काले मेघा पानी दे' निबन्ध लोकजीवन के विश्वास एवं उनसे उत्पन्न हुई मान्यताओं पर आधारित है। विज्ञान के तर्क एवं लोगों का विश्वास दोनों अपनी जगह सत्य हैं इस बात को पुष्ट करता है। भीषण गर्मी के कारण पानी की कमी से बेहाल गाँव के लोग वर्षा कराने के उद्देश्य से पूजा–पाठ और कथा–विधान करके जब थक–हार जाते हैं तब वर्षा कराने का अंतिम उपाय के रूप में इन्द्र सेना निकलती है। इन्द्र सेना नंग–धड़ंग बच्चों की टोली है, जो कीचड़ में लथपथ होकर गली–गली पानी माँगने निकलती है। लोग घरों की छतों से उन पर पानी फेंकते हैं। लोगों की मान्यता है

खण्ड–स

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए

प्र.11) 'कैमरे में बंद अपाहिज' करुणा जगाने के मकसद से शुरु कार्यक्रम क्रूर बन जाता है। इस कथन का आशय लिखिए । (उत्तर शब्द सीमा **60–80** शब्द) **[3]**

उत्तर– कवि ने बताया है कि टेलीविजन (मीडिया) के लोग स्वयं को बहुत ताकतवर समझते हैं। उनका मानना है कि वे जैसे चाहे कार्यकम दर्शकों को दिखा सकते हैं। कार्यक्रम और निर्माण और उसकी प्रस्तुति सम्बन्धी सभी नियंत्रण उनके हाथों में होता है। अपनी मर्जी अनुसार वे गरीब, अपाहिज की करुणा भी बेच सकते हैं। इस कविता में एक दुर्बल अपाहिज व्यक्ति है, वह इस अर्थ में दुर्बल है कि न तो अपनी मर्जी से कुछ बोल सकता है और न कुछ कर सकता है। उसे कार्यक्रम के संचालक अनुसार ही अपनी करुणा व्यक्त करनी होगी। वह विवश है और उसे दूरदर्शन के व्यापारीकरण का हिस्सा बनना पड़ता है। दूरदर्शन द्वारा सामाजिक कार्यक्रम के नाम पर लोगों के दुःख–दर्द बेचने का काम होता है।। उन्हें अपाहिज के दुःख–दर्द और मान–सम्मान की कोई परवाह नहीं होती है। उन्हें अपने कार्यक्रम की लोकप्रियता हेतु उसे रोचक बनाना है जिससे उन्हें कमाई हो सके इसलिए वे अपाहिज और दर्शक दोनों के आँसू निकलवा कर पैसा बटोरना चाहते हैं। इस प्रकार कविता ने मीडिया का बाजारीकरण प्रस्तुत किया है।

अथवा

'भवितव्यता डराती है।' 'सहर्ष स्वीकारा है' के आधार पर समझाइए । (उत्तर शब्द सीमा 60–80 शब्द)

प्र.12) 'अकस्मात् गाँव पर यह वज्रपात हुआ।' इस कथन के आधार पर चुनौतिपूर्ण परिस्थितियों को लिखिए । **[3]**

(उत्तर शब्द सीमा 60- 80 शब्द)

उत्तर – चार्ली की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे किसी भी संसति को विदेशी नहीं लगते। क्योंकि चाली आम आदमी की पीड़ा व दर्द को व्यक्त करता है। स्वपीड़ा से जुड़ाव व संवेदना ही चाल को श्हमश में परिवर्तित कर देता है। संवेदना ही वह भाव है जो व्यक्ति को देश सीमाओं से परे ले जाकर मैं और तुम की परिधि से निकालकर श्हमश बना देता है। यही विशेषता चार्ली के व्यक्तित्व और उसके अभिनय में है।

अथवा

'चार्ली चौप्लिन किसी भी संस्कृति को विदेशी नहीं लगते है।' इस कथन से आप कहाँ तक सहमत है ? अपने विचार लिखिए ।

(उत्तर शब्द सीमा 60–80 शब्द)

प्र.13) 'हरिवंशराय बच्चन' कवि परिचय लिखिए । (उत्तर शब्द सीमा 80–100 शब्द)

अथवा

'जैनेन्द्र कुमार' का लेखक परिचय लिखिए । (उत्तर शब्द सीमा 80–100 शब्द)

उत्तर– हरिवंश राय बच्चन का जन्म 1907 ई को इलाहाबाद उत्तर प्रदेश मे प्रतापनारायण के घर हुआ था, इन्होने इलाहबाद विश्वविद्यालय से BA of MA की शिक्षा प्राप्त की थी।

यह हालावाड़ के प्रवर्तक भी थे। श्मधुशालाश जैसे अनोखी रचना ने इन्हे प्रसिद्दि दिलाई।

अथवा

'जैनेन्द्र कुमार' का लेखक परिचय लिखिए। (उत्तर शब्द सीमा 80-100 शब्द)

प्र. 14) 'संयुक्त परिवार वाले उस दौर में पति ने हमारा पक्ष कभी नहीं लिया । 'इस कथन को 'सिल्वर वैडिंग' पाठ के प्रासंगिक वर्तमान परिप्रेक्ष्य में तर्क लिखिए। (उत्तर शब्द सीमा 120 शब्द)

अथवा

'रोते–धोते पाठशाला फिर से शुरु हो गई । 'इस कथन में 'जूझ' पाठ के आधार पर किसान–मजदूर की संघर्ष झाँकी चित्रित कीजिए । (उत्तर शब्द सीमा 120 शब्द)

उत्तर– मराठी के प्रसिद्ध कथाकार ड. आनन्द यादव के आत्मकथात्मक उपन्यास से संकलित अंश में एक किशोर के देखे और भोगे गए ग्रामीण जीवन के खुरदरे यथार्थ और उसके रंगारंग परिवेश का अत्यन्त विश्वसनीय जीवंत चित्रण हुआ है। पिता अपनी मौज–मस्ती के लिए अपने बालक की पढ़ाई छुड़ा कर खेती के काम में लगा देता है। लाचार माँ उसके साथ सहानुभूति रखकर उसके भविष्य को सुधारने में सहयोग करती है। कहानी की मूल संवेदना निम्न मध्यमवर्गीय ग्रामीण समाज और लड़ते–जूझते किसान–मजदूरों के संघर्षमय जीवन की झांकी प्रस्तुत कर एक किशोर की लालसा एवं अकुलाहट की मार्मिक व्यंजना करना है तथा उनसे संघर्षशील बने रहने की सत्प्रेरणा देना है।

खण्ड द

प्र.15) निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

नौरस गुंचे पंखड़ियो की नाजुक गिरहें खोले हैं।
या उड़ जाने को रंगों – बू गुलशन में पर खोले हैं ।
तारे आँखें झपकावे हैं जर्रा जर्रा सोये हैं।
तुम भी सुनो हो यारो ! शब में सन्नाटे कुछ बोले है
हम हो या किस्मत हो हमारी दोनों को इक ही काम मिला
, किस्मत हमको रो लेवे है हम किस्मत को रो ले हैं ।
जो मुझको बदनाम करे हैं काश वे इतना सोच सकें
मेरा परदा खोले हैं या अपना परदा खोले है ।

उत्तर – **व्याख्या–**कवि फिराक गोरखपुरी प्रति का मनोहारी चित्रण करते हुए कहते हैं कि नये रस या पराग से भरी हुई कलियाँ अपनी कोमल पंखुड़ियों की गाँठों को खोल रही हैं, अर्थात् धीरे–धीरे खिल रही हैं अर्थात् वे फूल बनने की ओर –अग्रसर हैं। उनसे जो सुगन्ध फैल रही है, वह ऐसी लगती है कि मानो रंग और सुगन्ध आकाश में उड़ जाने के लिए पंख फड़फड़ा रहे हैं। आशय यह है कि सारे परिवेश में कलियों एवं फूलों की सुषमा एवं सुगन्ध फैल रही है।

कवि कहता है कि ढलती हुई रात में तारे मानो आँखें झपका–झपका कर सोना चाहते हैं या जरा–जरा से सोये हुए प्रतीत होते हैं। उस समय धरती–आकाश का कण–कण सोया हुआ है। हे मित्रे ! तुम भी सुनो, रात में पसरा हुआ सन्नाटा कुछ

बोलता प्रतीत हो रहा है। आशय यह है कि रात का सन्नाटा प्रिय की याद दिलाने का प्रयास कर रहा है, अर्थात् रात्रि कवि कहता है कि मैं और मेरी किस्मत – दोनों एक समान है, दोनों निराशा और असफलता के कारण रोते रहते है। दोनों को एक ही काम मिला है। मेरी किस्मत मेरी हालत देखकर रोती है, तो मै अपनी बुरी किस्मत को देखकर रोता हूँ। आशय यह है कि हम दोनों अपनी बुरी हालत और परिस्थितियों का दोष एक–दूसरे पर डाल कर कोसलों रहते है।

कवि कहता है। कि जो लोग मुझे बदनाम करते है या मेरी निदा करते है, काश वे समझ पाते कि वे मेरी नहीं अपनी कमियों के पर्दे खोल रहे है। अपनी ही निदा कर रहे है। अर्थात् दूसरों की बुराई करना स्वयं के चरित्र को प्रस्तुत करना है।

विशेष–

(1) कवि किस्मत और हालात का किया है, साथ लोगों की पहचान बताई करके अपना

(2) हिन्दी–उर्दू–फारसी मिश्रित भाषा 'गजल' छंद है। 'हम' कहना उर्दू की पहचान है।

(3) कवि प्रति का सुन्दर किया है।

(4) उर्दू–फारसी–हिन्दी का मिश्रित प्रयोग है। प्रसाद गुण, बिम्ब योजना व संदेह तथा उत्प्रेक्षा अलंकार हैं।

अथवा

नभ में पाँति – बँधे बगुलों के पंख,
चुराए लिए जातीं वे मेरी आँखें ।
कजरारे बादलों की छाई नभ छाया,
तैरती साँझ की सतेज श्वेत काया ।
हौले–हौले जाती मुझे बाँध निज माया से ।
उसे कोई तनिक रोक रक्खो ।
वह तो चुराए लिए जाती मेरी आँखें
नभ में पाँती – बँधी बगुलो की पाँखे ।

प्र.16. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – **[2 + 4 = 6]**

जेठ की जलती धूप में, जबकि धरित्री निर्धूम अग्रिकुण्ड बनी हुई थी, शिरीष नीचे से ऊपर तक फूलों से लद गया था । कम फूल इस प्रकार की गरमी में फूल सकने की हिम्मत करते हैं । कर्णिकार और आरग्वध (अमलतास) की बात मैं भूल नहीं रहा हूँ । वे भी आस–पास बहुत हैं । लेकिन शिरीष के साथ आरग्वध की तुलना नहीं की जा सकती । वह पन्द्रह–बीस दिन के लिए फूलता है, वसंत ऋतु के पलाश की भाँति । कबीरदास को इस तरह पन्द्रह दिन के लिए लहक उठना पसंद नहीं था । यह भी क्या कि दस दिन फूले और फिर खंखड़–के–खंखड़ दिन दस फूला फूलिके खंखड़ भया पलास!'

उत्तर– **व्याख्या–** द्विवेदीजी बताते हैं कि शिरीष के साथ अमलतास के फूलों की तुलना नहीं की जा सकती है। अमलतास का पौधा फूलों सहित केवल दस–पन्द्रह दिनों के लिए ही फूलता है। जिस तरह पलाश का फूल सिर्फ वसन्त ऋतु में फलता–फूलता है। संत कबीरदास को इस तरह पन्द्रह दिनों के लिए खिलना महकना पसंद नहीं था। उनका मानना था कि दस दिन खिलने के बाद फिर से ठूंठ हो जाना अच्छी बात नहीं है। वे अपनी भाषा में कहते भी हैं कि दस दिनों तक फूल कर, खिल कर पलाश फिर से खंखड़ अर्थात् शुष्क हो जाता है। ऐसे पलाश की शोभा का क्या वर्णन करना जो जीवन्त शक्ति से भरपूर नहीं है। ऐसे में द्विवेदीजी कहते हैं यह उसी प्रकार है जैसे पूँछवाले जानवरों से तो अच्छा लंडूरा अर्थात् पूँछविहीन ही रहना अच्छा है। जिनकी कभी पूँछ रहती है और कभी खत्म हो जाती है। यहाँ लेखक का भाव उन बड़े–बड़े दिखावटी, भ्रष्ट नेताओं की तरफ भी है जो कभी–कभी समयानुसार जिनका महत्त्व कम समय के लिए होता है।

विशेष–

(1) लेखक ने पलाश और अमलतास के कम समय खिलने की तुलना मौकापरस्त नेताओं से की है।

(2) खड़ी बोली हिन्दी साथ संस्त शब्दों का प्रस्तुत है। दुमदार, लंडूरे, खंखड़ आदि देशज शब्दों की भरमार है।

अथवा

जाति–प्रथा का श्रम विभाजन मनुष्य की स्वेच्छा पर निर्भर नहीं रहता । मनुष्य की व्यक्तिगत भावना तथा व्यक्तिगत रुचि का इसमें कोई स्थान अथवा महत्व नहीं रहता । 'पूर्व लेख' ही इसका आधार है। इस आधार पर हमें यह स्वीकार करना पड़ेगा कि आज के उद्योगो में गरीबी और उत्पीड़न इतनी बड़ी समस्या नहीं जितनी यह कि बहुत से लोग निर्धारित कार्य को 'अरूचि' के साथ केवल विवशतावश करते हैं । ऐसी स्थिति स्वभावतः मनुष्य को दुर्भावना से ग्रस्त रहकर टालू काम करने और कम काम करने के लिए प्रेरित करती है। ऐसी स्थिति में जहाँ काम करने वालों का न दिल लगता हो न दिमाग, कोई कुशलता कैसे प्राप्त की जा सकती है ।

प्र.17. सचिव, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, **4** अजमेर की ओर से बोर्ड की पाठ्पुस्तके क्रय सूचना करने हेतु विज्ञप्ति तैयार कीजिए । **[4]**

अथवा

अपने विद्यालय में कार्यालय सामग्री क्रय करने हेतु एक निविदा लिखिए ।

उत्तर – कार्यालय प्राचार्य, राजीव गांधी नवोदय विद्यालय शिकारपुर, लंढौरा, हरिद्वार ।

पत्रांक .गां.वि./ निविदा प्रपत्र / …………….. / 2019 – 20 दिनांक

प्रति

मै……………..

……………..

……………..

विषयः लेखन / स्टेशनरी सामग्री कय हेतु निविदा आमंत्रण के सम्बन्ध में।

1. निविदा प्रपत्र निविदा का मूल्य :. 500 – 00 नकद भुगतान कर कार्यालय राजीव गाधी नवोदय विद्यालय शिकारपुर, हरिद्वार से प्राप्त किया जा सकता है।

2. निविदा प्रतिभूति अथवा धरोहर धनराशि :- 10000&00 का एफ. डी. आर. / सी.डी.आर. / एन.एस.सी. के रूप में किसी भी राष्ट्रीयत बैंक / डाकघर द्वारा निर्गत प्राचार्य राजीव गांधी नवोदय विद्यालय शिकारपुर, हरिद्वार के पदनाम से न्यूनतम छ माह के लिए बन्धक हो, निविदा के साथ संलग्न करना अनिवार्य होना निविदा प्रतिभूति धनराशि भुगतान न करने पर निविदा को रचतः निरस्त समझा जायेगा।

3. किसी भी निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार प्राचार्य / कय सलाहकार समिति, राजीव गांधी नवोदय विद्यालय शिकारपुर, हरिद्वार को होगा।

4. फर्म की दरें (निविदा) स्वीत होने के उपरान्त सामग्री की आपूर्ति आपूर्ति आदेश निर्गत होने से 15 दिन के अन्तर्गत करना अनिवार्य होगा।

5. स्रोत पर नियमानुसार आयकर तथा जी.एस.टी. टी.सी.एस. की कटौती की जायेगी।

6. अनुबन्धकर्ता द्वारा अंकित दरे दिनांक 31.03.2020 तक प्रभावी रहेगी तथा विद्यालय द्वारा बजट उपलब्धता के अनुसार सामग्री कप की जायेगी जिसके लिए अनुब्धकर्ता कोई आपत्ति नहीं करेगा, अर्थात सूची में अंकित सामग्री / सामग्री की मांग संख्या घटावी या बढ़ायी जा सकती है।

7. निविदादाता को टेंडर खोलने के समय अनिवार्य रूप से समस्त सामग्री का एक–एक नमूना फर्म के टैग के साथ निविदा समिति के समक्ष प्रस्तुत करना अनिवार्य है निविदा की स्वीति / अस्वीति का आधार न्यूनतम दर के साथ–साथ गुणवत्तायुक्त

सामग्री होगी। सभी निविदादाताओं के नमूने विद्यालय में रखे जायेंगे। अस्वीत निविदादाताओं की नमूना सामग्री वापस कर दी जावेगी स्वीत निविदादाता के नमूने कार्यपूर्ति के पश्चात वापस किये जायेंगे।

8. समस्त सामग्री कम्पनी द्वारा निर्धारित पैकिंग में ही स्वीकार की जायेगी एवं सामग्री पर कम्पनी द्वारा दी जाने वाली गिफ्ट एवं आकर पर विद्यालय (ग्राहक) का अधिकार होगा।

9. अनुबन्धकर्ता को समस्त सामग्री विद्यालय में स्वयं सुरक्षित रूप उपलब्ध करानी होगी, जिसके लिए विद्यालय द्वारा किसी भी प्रकार का किराया एवं भाड़े का अलग से भुगतान नहीं किया जायेगा तथा विद्यालय द्वारा किसी भी टूटे–फूटे / क्षतिग्रस्त सामग्री को स्वीकार नहीं किया जायेगा।

10. विवाद की स्थिति में विधिक न्याय क्षेत्र रूड़की होगा।

11. यदि अनुबन्धकर्ता अधोहस्ताक्षरी द्वारा निर्गत आपूर्ति आदेश में दी गयी समयावधि में सामग्री आपूर्ति नहीं कर पाता तो अधोहस्ताक्षरी को अधिकार होगा कि सम्बन्धित सामग्री को मार्केट से अथवा अन्य अनुबन्धकर्ता से आपूर्ति कर सकता है तथा कीमतों का तुलनात्मक अन्तर की धनराशि का भुगतान करने हेतु अनुबन्धकर्ता बाध्य / जिम्मेदार होगा ।

12. विद्यालय द्वारा सामग्री मांग हेतु किसी भी दशा में अग्रिम के रूप में भुगतान नहीं किया जायेगा। अनुबन्धकर्ता द्वारा समस्त सामग्री विद्यालय पहुंचाने के पश्चात सामग्री की गुणवत्ता से संतुष्ट होने के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा।

तकनीकी बिड

तकनीकी बिड क्रमांक 1 से 8 तक आवश्यक अभिलेख ६ प्रमाणपत्र निविदा के साथ संलग्न करना आवश्यक है, अन्यथा निविदा स्वतः निरस्त समझी जायेगी तकनीकी बिड एवं वित्तीय बिह अलग–अलग लिफाफों में बन्द कर निविदादाता द्वारा निविदा पेटी में निर्धारित समय पर प्रातः ११ बजे से अपरान्ह 03 बजे तक डाली जायेगी। लिफाफो के ऊपर निविदा का नाम एवं फर्म का पता स्पष्ट रूप से अंकित करें।

1. कार्यालयों / विद्यालयों / आवासीय विद्यालयों में लेखन / स्टेशनरी सामग्री आपूर्ति का तीन वर्षो का अनुभव।
2. फर्म का गत तीन वर्षो 2016-17- 2017-18 2018-19 का आयकर रिटर्न की प्रति
3. फर्म का तीन वर्षो 2016-17, 2017-18, 2018-19 का वैट / जी.एस.टी. रिटर्न की प्रति
4. फर्म का जी.एस.टी. पंजीकरण की प्रति
5. फर्म / फर्म स्वामी के पैन कार्ड की प्रति

प्र.18. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर सारगर्भित निबंध लिखिए। (शब्द सीमा **300** शब्द) **[5]**

(1) कोरोना महामारी – एक अभिशाप
(2) युवा शक्ति एवं चुनौतियाँ
(3) साक्षरता अभियान के बढ़ते कदम
(4) समाज में नारी योगदान

उत्तर– **(1)** कोरोना महामारी – एक अभिशाप

प्रस्तावना–संसार समय–समय विपत्तियाँ आती रहती हैं) विश्व अनेक बार भूकम्प, युद्ध, पाठक महामारी आदि कारण लाखों–करोड़ों लोग काल के वायरस रूप महामारी फैल है, उसने विश्व को हिलाकर रख दिया है। महामारी के कारण विश्व समृद्ध समृद्ध देशों स्थिति हो है। वर्ष 2019 के अन्त चीन के बहान में पहली प्रकाश में आए कोरोना वायरस संक्रमण विश्व के लगभग देशों को अपनी चपेट लिया है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) घातक वायरस का आधिकारिक नाम कोविड–19 रखा जिसमें 'को' का अर्थ कोरोना, 'वि' अर्थ वायरस का अर्थ डिसीज (बीमारी) है। चूँकि इस विषाणु की पहचान 31 दिसम्बर, 2019 चीन हुई थी, अन्त वर्ष 2019 का 19 अंक लिया गया है।

कोरोना वायरस – लक्षण एवं बचाव के तरीके – एवं तरीकेरू लक्षण इसके लक्षण से मिलते–जुलते संक्रमण के फलस्वरूप जुकाम, सांस लेने में तकलीफ, नाक बहना, सिर तेज सूखी खांसी, गले में खराश व दर्द आदि समस्या उत्पन्न होती है। वायरस व्यक्ति व्यक्ति में फैलता इसलिए लेकर बहुत सावधानी बरती सकता खास पर अधिक उम्र लोग जिन पहले से अस्थमा, डायबिटीज, आदि की बीमारी बचाव के तरीके स्वास्थ्य मन्त्रालय कोरोना वायरस से बचने के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं। इनके हाथों को बार–बार साबुन चाहिए, इसके अल्कोहल आधारित हैंड वश किया जा सकता छींकते अपने मुँह और नाक को से ढककर रखें। हाथों बार–बार मुंह छुएँ। भीड़–भाड़ पर करें। कोई दिखलाई संक्रमित व्यक्ति या स्थान सम्पर्क पर तुरन्त स्वास्थ्य की संच तथा कुछ दिनों स्वयं को होम आइसोलेशन में रखें।

कोरोना वायरस महामारी का सामाजिक प्रभाव– इस वैश्विक महामारी बचाव, रोकथाम, उपचार पूर्व पुनर्वास हेतु विश्व के सभी देशों लक डाउन, आइसोलेशन, क्वरेंनटाइन नीति अपनाई गई.) संक्रमण भय लगभग समस्त सामाजिक गतिविधियों, उत्सव बन्द हो गए। आर्थिक गतिविधियों के बन्द जाने से लोगों रोजगार एवं आजीविका प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। घातकता में वृद्धि इससे खाद्य असुरक्षा वृद्धि, उत्पादन में आदि सामाजिक जीवन अत्यधिक प्रभावित हुआ आर्थिक प्रभाव–कोरोना वायरस महामारी निपटने लिए राज्यों द्वारा लगाए लांकडाउन, संक्रमित सम्भाव्य रोगियोंध आइसोलेशन, जाँच प्रक्रिया, दवा, क्वरेंनटाइन व्यवस्थाः वचित एवं अरक्षित समूहों को कारण सार्वजनिक भारी वृद्धि तथा राजस्व कमी व्यापार, उद्योग आदि हो जाने से सभी में आर्थिक मन्दी दिखलाई देती वस्तुतः इस महामारी सारे वैश्विक अर्थव्यवस्था को

उपसंहार– वायरस 21 वीं की भयंकर महामारी है, इसने सम्पूर्ण विश्व को घेर है। इस महामारी से स्वयं बचाते हुए प्रत्येक नागरिक दूसरों का हित चिन्तन 'जान भी है जहान भी है' इस कथन को सिद्ध करते हुए देश व समाज की समृद्धि में सभी को योगदान देना चाहिए।

Resonance®
Educating for better tomorrow

BOARD DIVISION (PSPD)

CUET (UG) 2023

Common University Entrance Test

About CUET (UG)

Common University Entrance Test (CUET) is the program that provides equal opportunity to all students from different Boards & different region.

- CUET, known as Common Universities Entrance Test (CUET), is a Computer Based All - India Test for admission to various Undergraduate Programmes in 44 Central Universities and other State Private + Deemed Universities of India.
- CUET (UG) is organized by National Testing Agency (NTA).
- Official Website: <www.samarth.cuet.ac.in> OR <www.cuet.nta.ac.in>

Points to Remember: CUET (UG) 2023

- Candidates can choose any Language/Domain Specific Subjects/General Test or a combination as per the requirements of the course in the specific University.
- The choice of Tests/Subjects depend on the course/s chosen by the candidate and the University/ies where admission is sought.
- A Candidate can take a maximum of **10 tests**.

S.No.	SECTION	NO. OF QUESTIONS	QUESTIONS TO ATTEMPT	DURATION
1.	SECTION-I (A+B)	50	40	45 Minutes
2.	SECTION-II	50/45	40/35	45 Minutes*
3.	SECTION-III	60	50	45 Minutes*

*Not yet announced by NTA.

- **Section IA – 13 Languages (As a medium and "Language")**

  Assamese | Bengali | English | Gujarati | Hindi | Kannada | Malayalam | Marathi | Odia | Punjabi | Tamil | Telugu | Urdu

- **Section IB – 20 Languages**

  Arabic | Bodo | Chinese | Dogri | French | German | Persian | Russian | Sindhi | Tibetan | Italian | Japanese | Kashmiri | Konkani | Maithili | Manipuri | Nepali | Santhali | Spanish | Sanskrit

- **Section II – 27 Domain-Specific Subjects**

  There are 27 Domains specific Subjects being offered under this Section. Candidate may choose a maximum of Six (06) Domains as desired by the applicable University/Universities.

- **Section III – General Test**

  General Knowledge, Current Affairs, General Mental Ability, Numerical Ability, Quantitative Reasoning (Simple application of basic mathematical concepts arithmetic/algebra geometry/mensuration/stat taught till Grade 8).

- Candidates, from any Stream (Arts / Commerce / Science), who are appearing in Class12th Examination in 2022-23 OR who have Passed the class 12th or equivalent examination, irrespective of their age can appear in the CUET (UG)–2023.
- Students of Science stream can explore some unique courses of B. Tech/ M. Tech / Bio-Tech courses through CUET exam at some renowned universities of India like DU / BHU etc.
- Candidates have to fulfil the age criteria if it is specified by a Particular University to which the candidate wishes to apply.

Resonance Offering

The following **Courses** are being offered by **Resonance** for **CUET (UG)-2023**

Subjects:

- **Language** — Hindi, English, Sanskrit*
- **Domain**
  - **Science:** Physics, Chemistry, Mathematics, Biology/Bio-Chemistry/Bio-Tech., Agriculture
  - **Commerce & Law:** Accounts, Business Studies, Business Economics, Law
  - **Huminities:** History, Political Science, Economics, Geography/Geology, Sociology*
  - **Other Subjects:** Physical Education, Computer Application*, Teaching Aptitude*, Psychology*, Sanskrit*
- **General Test** — General Test

* Availability of these subjects depends on number of students enrolled.

UTSAAH
ACADEMIC WORKSHOP

Interactive Live Classes
- Available for 12+ Subjects
- 30 to 50 Days Live Workshop
- Anytime access on ResoSIR
- PDFs & Notes for Revision
- 3 Mock Test

Salient Features
- Personalised Mentorship
- Mode of Workshop: Online
- Medium: Bilingual (Hinglish)
- Based on Latest Pattern

Personal Counselling
- Counseling on the basis of Test

UMANG
MOCK TEST SERIES

10 Mock Test Papers
- Available for 20+ Subjects With Solution & Answer Key
- 450+ Minutes of Testing
- Medium: Bilingual (Only English for few Subjects)
- Mock CBT (Online)

Cumulative Analysis
- Subject-wise
- Topic-wise
- Time-wise
- Strength & Weakness

Personal Counselling
- Counseling on the basis of Test

UTKARSH
COMPLETE PACKAGE

Interactive Live Classes + 10 Mock Test Paper
- Available for 12+ Subjects
- Summary of chapter
- 10 Mock Test Papers
- 30 to 50 Days Live Workshop
- Important Question Bank

Salient Features
- Content available in PDF (Digital)
- Anytime access on ResoSIR
- Based on Latest Pattern
- Medium: English
- Mode: Online

ACADEMIC WORKSHOP (UTSAAH)	PHASE-I	22 March to 30 April 2023
	PHASE-II	15 April to 20 May 2023
TEST SERIES (UMANG)	22 March 2023 Onwards	

How to Apply
Scan
QR Code

Reso Toppers CUET (UG) 2022

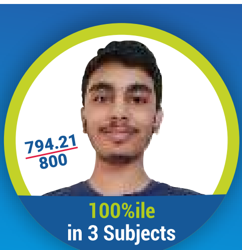

St. Stephen's College
Delhi University (DU)
ANIKET ANAND
Reso Roll No.: 22603392

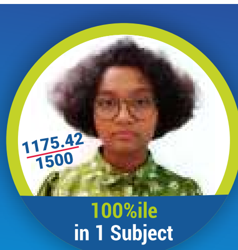

Deshbandhu College
Delhi University (DU)
UPAKRAMANAIKA BISHNU
Reso Roll No.: 19765817

Resonance Eduventures Limited

Registered & Corporate Office: CG Tower, A-46 & 52, IPIA, Near City Mall, Jhalawar Road, Kota (Rajasthan) - 324005
Mob. No.: +91-77288 90101 | **E-mail:** cuet.ug@resonance.ac.in | **Website:** www.resonance.ac.in/cuet | **CIN:** U80302RJ2007PLC024029

Toll Free: 1800 258 5555 facebook.com/ResonanceEdu twitter.com/ResonanceEdu www.youtube.com/resowatch blog.resonance.ac.in